ICFAI University conduct Digital Training on 6th Jan 2015

the pioneer
RANCHI | THURSDAY | JANUARY 7, 2016

DIGITAL SKILLS TRAINING PROGRAMME AT ICFAI

A training programme on Digital Skills was conducted at ICFAI University on Wednesday, attended by working managers from CCL, MECON, SAIL, Akshaya Rolling Mills and more. VC ORS Rao emphasised on the need of digital skills in present times. Other eminent speakers appreciated the initiative.

गुरुवार, 07 जनवरी 2016
हिन्दुस्तान 20

संक्षेप

इक्फाई विवि में डिजिटल प्रशिक्षण

रांची। इक्फाई विवि में बुधवार को डिजिटल प्रशिक्षण दिया गया। इसमें सीसीएल, मेकन, सेल और अक्षय रोलिंग मिल आदि के प्रबंधकों ने हिस्सा लिया। अतिथियों का स्वागत करते हुए विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि आईटी दिन-प्रतिदिन की जीवनशैली और काम के तरीकों में बदलाव ला रहा है। भविष्य में 90 फीसदी से अधिक काम अब डिजिटल तकनीक से होंगे। इसलिए हमें जीवन में व्यावसायिक कौशल के साथ डिजिटल कौशल की जरूरत है। कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक डॉ रामाशीष सिंह, विवि के शैक्षणिक सलाहकार डॉ हरिहरण, डॉ बीएम सिंह, प्रो एसएस प्रसाद, डॉ एससी स्वेन समेत अन्य ने भी बातें रखीं।

प्रभात खबर
www.prabhatkhabar.com

रांची, गुरुवार
07.01.2016 | 23

90 प्रतिशत से अधिक कार्य डिजिटल हो गये : प्रो राव

इक्फाइ विवि में डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

रांची. इक्फाइ विवि के दलादली परिसर में डिजिटल कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ. इसमें सीसीएल, मेकॉन, सेल, अक्षय रोलिंग मिल्स आदि जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रबंधकों ने भाग लिया. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि प्रौद्योगिकी हमारे दिन प्रतिदिन की जीवन शैली और काम के तरीकों में बदलाव ला रहे हैं. प्रो राव ने कहा कि 90 प्रतिशत से अधिक कार्य अब डिजिटल तकनीक से होंगे. इस कारण व्यवसायिक कौशल के साथ डिजिटल कौशल की जरूरत होगी. माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक डॉ रामानिश सिंह ने बताया कि कैसे हम सूचनाओं को त्वरित रूप से गूगल, सोशल नेटवर्किंग से प्राप्त कर सकते हैं. डॉ हरिहरन ने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम झारखंड में पहली बार आयोजित हो रहा है. कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ बीएम सिंह, डीन प्रो एएस प्रसाद, डॉ एससी स्वेन मौजूद थे.

दैनिक भास्कर

रांची, गुरुवार 7 जनवरी, 2016 | 5

डिजिटल तकनीक की दी गई ट्रेनिंग

रांची | इक्फाई विवि में बुधवार को डिजिटल स्किल पर वर्कशॉप हुआ। इसमें वीसी प्रो. ओएस राव ने कहा कि टेक्नोलॉजी हमारी जीवन शैली का अहम हिस्सा है। इसके कारण तकनीक के माध्यम से कार्य करने के तौर-तरीके में बदलाव आया है। माइक्रोसॉफ्ट के डॉ. आर सिंह ने विषय पर प्रकाश डाला। मौके पर डॉ. बीएम सिंह समेत सीसीएल, मेकॉन, सेल के प्रबंधक भी शामिल हुए।

राष्ट्रीय खबर
हमारी नज़र

web : www.rashtriyakhabar.net
epaper.rashtriyakhabar.com

इक्फाई ने किया डिजिटल कौशल प्रशिक्षण का आयोजन

संवाददाता

रांची : इक्फाई विवि द्वारा बुधवार को दलादली स्थित परिसर में डिजिटल कौशल का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सीसीएल, मेकॉन, सेल, अक्षय रोलिंग मिल्स आदि प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रबंधकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आये सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रो ओआरएस राव ने कहा कि प्रौद्योगिकी हमारे दिन प्रतिदिन के जीवन शैली व काम के तरीकों में बदलाव ला रहा है और हमें स्मार्ट फोन, ई-मेलज, गूगल, फेसबुक, स्काइप आदि डिजिटल तकनीकियों का उपयोग करने पर मजबूर कर रहा है। भविष्य की ओर देखते हुए उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत से अधिक काम अब डिजिटल तकनिक कौशल की जरूरत है। माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक डॉ रामनिश सिंह ने कहा कि कैसे हम सूचनाओं को एवरित रूप से गूगल, सोशल नेटवर्किंक साइट से प्राप्त कर सकते हैं। इसका अपने व्यक्तिगत जीवन में उपयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव डॉ बीएम सिंह, प्रो एसएस प्रसाद, डॉ एससी स्वेन, शैक्षिक सलाहाकार डॉ हरिहरण आदि ने भी अपने विचार रखे।

पहल इक्फाइ विश्वविद्यालय में डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रौद्योगिकी से बदल रही जीवनशैली : प्रो ओआरएस

संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में बुधवार को डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इक्फाई विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि प्रौद्योगिकी जीवन शैली और कार्य के तरीके में बदलाव ला रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल अधिकारी।

हमें स्मार्ट फोन, ई-मेल, गूगल, फेसबुक, स्काइप जैसे डिजीटल तकनीकों का उपयोग करने पर मजबूर कर रहा है। अब 90 प्रतिशत से अधिक कार्य डिजीटल तकनीक से होंगे। इसके कारण हमें जीवन में व्यावसायिक कौशल के साथ डिजीटल कौशल की जरूरत है। माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक डॉ रामनीश सिंह ने बताया कि कैसे हम सूचनाओं को त्वरित रूप से गूगल, सोशल नेटवर्किंग लाइट से प्राप्त कर सकते हैं। इसका अपने व्यक्तिगत जीवन में उपयोग भी किया जा सकता है।

मौके पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सलाहकार डॉ हरिहरण ने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम झारखंड में पहली बार हुआ है। मौके पर कुलसचिव डॉ बीएम सिंह, एसोसिएट डीन प्रो एएस प्रसाद, डॉ एससी स्वेन आदि मौजूद थे।